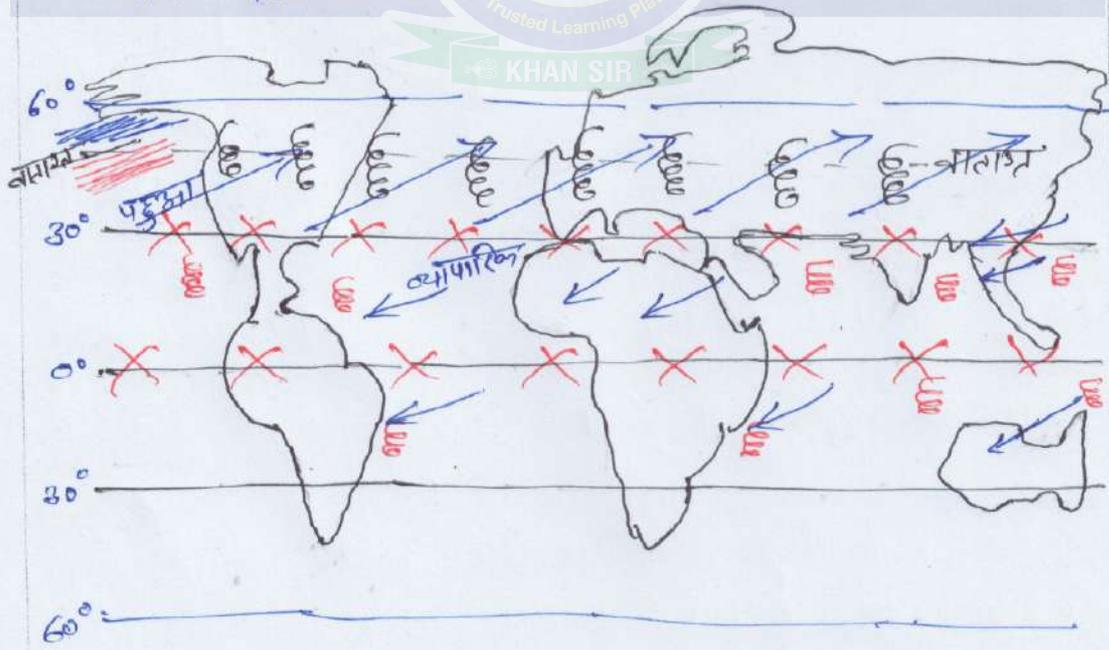
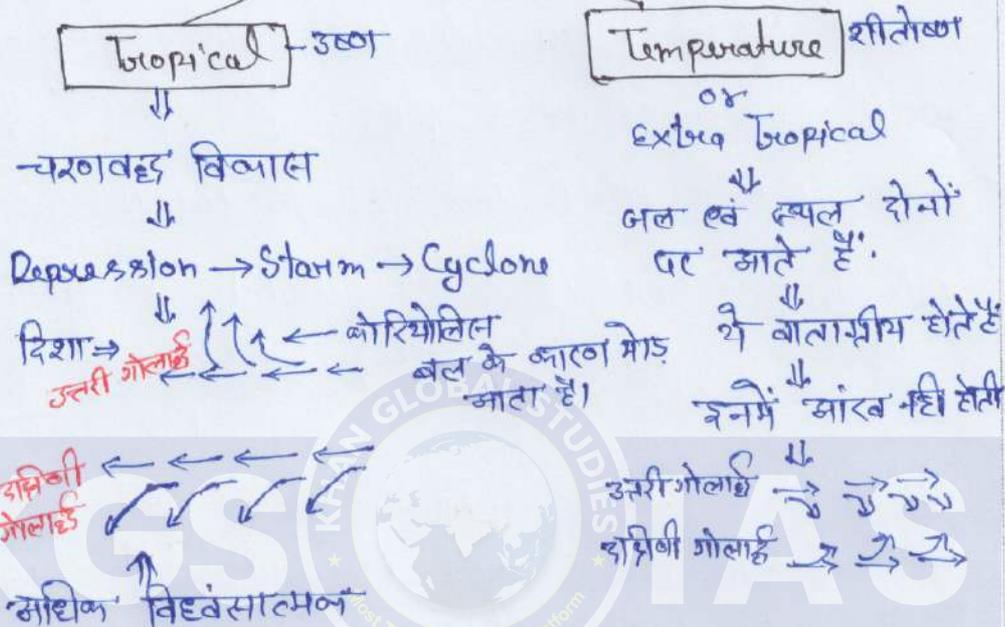


Previous class - - -

- पञ्चवात



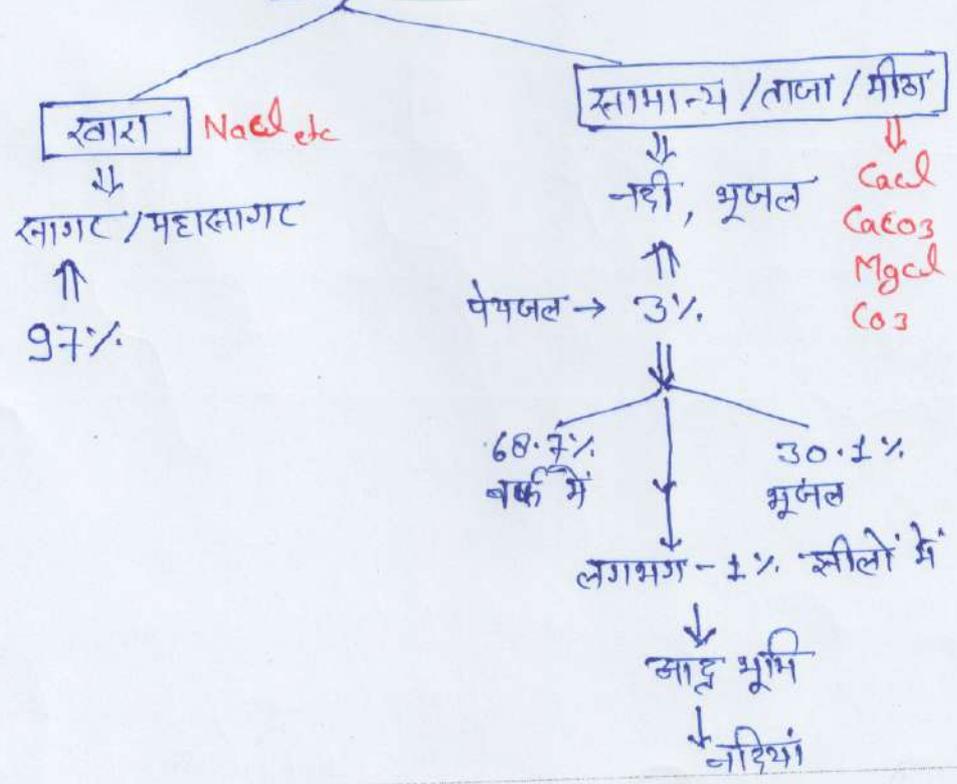
- कोरियोलिस बल के कारण विषुव रेखा पर भी आते हैं
- उच्च दाब एवं प्रतिबल तापमान के कारण 30° अक्षांश पर भी नहीं आते हैं।

जलमंडल (Hydrosphere)

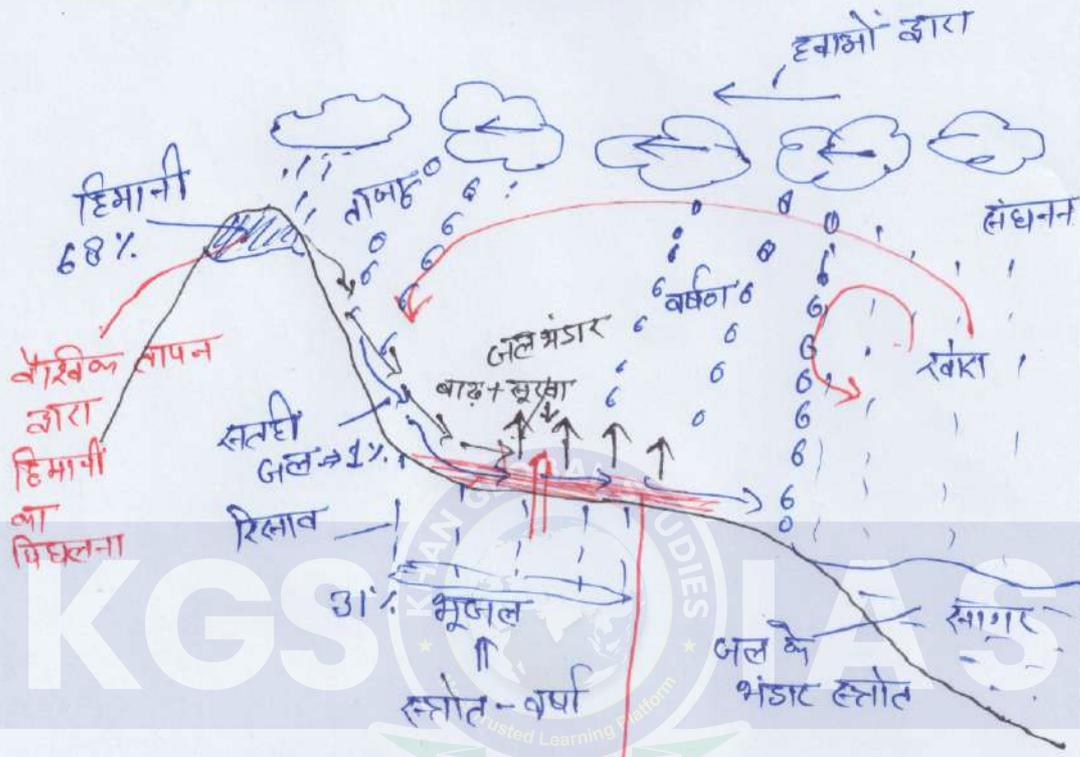
↓
पृथ्वी पर व्याप्त सम्पूर्ण जल



जल



जल चक्र (Hydrological Cycle) ← by Nature



नगर निर्माण द्वारा → रिसाव कम
 खं → भूजल में लगी

⇒ हिमानी पिघलना → सतही जल वृद्धि → वाष्पीकरण अधिक

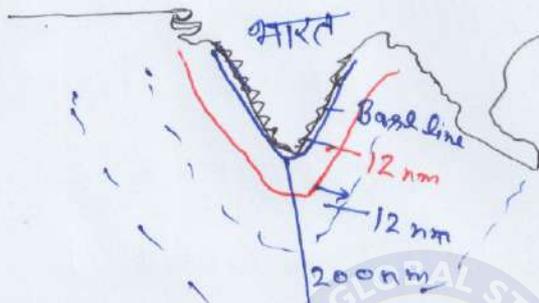
वायुमंडल में अधिक → चक्रवात जो दुर्घा प्राप्त → बादल करना एवं चक्रवातों की बारम्बारता में वृद्धि

जलमंडल : महासागर

- पृथ्वी पर जीवन जो बनाये रखने की जुंजी है।
- 70% से अधिक भाग जो ज्वर करते हैं।
- मानव जीवन के लिए उपयोगी - जीवन संसाधनों एवं असीमित ऊर्जा के स्रोत।
- परिवहन में उपयोगी
- समुद्री जैवविद्यता - अत्यधिक, श्वसन के लिए ऑक्सीजन का सख्त तिहाई उत्पादन।
- वैश्विक जलवायु स्थितियों को नियंत्रित करते हैं।
- मानव उपभोग के लिए प्रोटीन का मूल्यवान स्रोत
- वर्तमान सौर अविष्य की मानव ऊर्जा जरूरतों का स्रोत
- वैश्विक व्यापार की मात्रा का 80% समुद्री मार्ग से होता है।
- ⇒ 1 नौटिकल मील = 1.85 Km

⇒ महासागरीय जल पर अधिकार

- रगड़ी, बन्दगाह ← सांतरिक जल - 1 - Internal water
- 12 nm - प्रादेशिक सागर - 2 - Territorial water
- 3 - Hot Pursuit Zone
- Contiguous Zone
- सन्निहित क्षेत्र - 24 nm



विशेष आर्थिक क्षेत्र (200 nm)

Exclusive Economic Zone

High Seas → UN द्वारा निगरानी
मुक्त सागर

UNCLoS - 10 दिसंबर 1982

KHARSA दस्तावेज → 16 नवंबर 1994

- भारत भी सम्मिलित है।

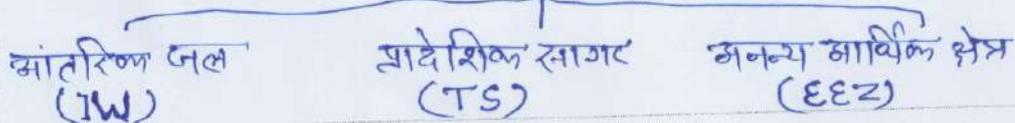
UNCLoS को मोंटेगो बे, जमैका में दस्तावेज के लिए खोला गया (1982)



यह एक अन्तर्राष्ट्रीय समझौता है जो विश्व के सागरों और महासागरों पर देशों के अधिकार एवं जिम्मेदारियों का निर्धारण करता है तथा समुद्री साधनों के प्रयोग के लिए नियमों की स्थापना करता है।



समुद्र के संसाधनों का तीन क्षेत्रों में वर्गीकरण



हाई सीज (High Seas):

↳ ११२ से जलज समुद्र की सतह और जल स्तम्भ को "हाई सीज" कहा जाता है।

↳ इसे समग्र मानव जाति की साझा विरासत के रूप में माना जाता है। यह किसी भी राष्ट्रीय अधिष्ठात क्षेत्र से बाहर है। - (अधिष्ठात - UN)

॥

अन्तरिष्ठात जल (IWL) - खाड़ी, बंदरगाह, इनलेट, नदियां, समुद्री झीलें आदि।

प्रादेशिष्ठात सागर (TIS) - 12 समुद्री मील तक पूर्ण सम्प्रभुता

सन्निहित क्षेत्र (CZ) - 24 समुद्री मील : राजकोषीय, मात्रजन, स्वच्छता, सीमा शुल्क के उल्लंघन पर दंडित करने का अधिष्ठात

अनन्य आरिष्ठात क्षेत्र (EEZ) - 200 समुद्री मील : प्राकृतिक संसाधनों की खोज, दोहन, संरक्षण और प्रबंधन का अधिष्ठात

* ISA (अन्तर्राष्ट्रीय सागर नितल प्राधिष्ठातण)

↳ मुख्यालय - जर्मेका

संघनन के रूप

- दवा का जलवाष्प, संघनन के बाद जौनला रूप धारण करेगा, यह जलवाष्प की मात्रा, दवा की ठंडी परत की मोटाई और मोसल के मान पर निर्भर करता है।
- जिस तापमान पर दवा मोसल पर पहुंच जाती है, उसी के आधार पर संघनन के रूपों का वर्गीकरण किया जाता है।
- मोसल हिमांक के नीचे \rightarrow तुषार या पाला, हिम
- मोसल हिमांक के ऊपर \rightarrow मोस, बूझरा तथा बादल
- जूझरा भी खल प्रकार का जूझरा ही है इसमें जूझरा की अपेक्षा दृश्यता दूर तक रहती है।

चक्रवात

उष्णकटिबंधीय	शीतोष्णकटिबंधीय
- $10^{\circ} - 22^{\circ}$ अक्षांश	- $30^{\circ} - 60^{\circ}$ अक्षांश \rightarrow स्थानांतरित होती है।
- विनाशकारी	- विनाशकारी नहीं - दवा में नहीं
- गुप्त उष्ण	- गर्म स्त्रोत्र - दो वायुराशिमें के मध्य का तापान्तर
- समाप्ती - शून्य स्तर, उच्च अक्षांशों की ओर मुड़कर, ऊपरी वायुमंडल में जाने पर	\rightarrow समाप्ती \rightarrow तापान्तर होने पर